Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 18 मई, 2023

2023 SAFF चैंपियनशिप

2023 SAFF **चैंपियनशिप दक्षिण एशियाई देशों हेतु एक द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय पुरुष फुटबॉल टूर्नामेंट** है, जिसका आयोजन **दक्षिण एशियाई फुटबॉल महासंघ (South Asian Football Federation- SAFF)** द्वारा किया जाता है। टूर्नामेंट के **14वें संस्करण की मेज़बानी भारत** द्वारा **21 जून से 3 जुलाई, 2023 तक बंगलूरू में की जाएगी।** भारत मौजूदा चैंपियन है, जिसने **फाइनल में नेपाल को हराकर वर्ष 2021 में अपना आठवाँ खिताब जीता था**। टूर्नामेंट में आठ टीमें शामिल होंगी, जिनमें संबंधित क्षेत्र के बाहर की दो अतिथि टीमें शामिल हैं: कुवैत और लेबनान।**फेडरेशन इंटरनेशनेल डी फुटबॉल एसोसिएशन (FIFA)** द्वारा निलंबन के कारण **श्रीलंका भाग लेने में असमर्थ था, जबकि अफगानिस्तान SAFF से हट** गया एवं मध्य एशियाई फुटबॉल महासंघ में शामिल हो गया है। आठ टीमों को प्रत्येक चार के दो समूहों में विभाजित किया गया है **भारत ग्रुप A में कुवैत, नेपाल तथा पाकिस्तान के साथ है, जबकि लेबनान ग्रुप B में मालदीव, भूटान एवं बांग्लादेश के साथ है।** SAFF का गठन वर्ष 1997 में **बांग्लादेश, भारत, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका** के संस्थापक सदस्य संघों द्वारा किया गया था। SAFF का आदर्श वाक्य **'ताकत में एकता'** इन सात सदस्य संघों की ताकत और संबंधों को दर्शाता है, जो अब संगठन के अध्यक्ष द्वारा अनुकरणीय हैं। SAFF सचिवालय वर्तमान में **ढाका, बांग्लादेश** से संचालित होता है। SAFF बड़े एशियाई फुटबॉल परिसंघ (Asian Football Confederation- AFC) का एक हिस्सा है।

और पढ़ें...[भारतीय फुटबॉल का विज़न 2047]

त्र्यंबकेश्वर मंदिर

महाराष्ट्र ने एक घटना की जाँच के लिये **विशेष जाँच दल (Special Investigation Team- SIT)** का गठन किया है जिसमें [अल्पसंख्यक समुदाय] के सदस्यों पर **नासिक के त्र्यंबकेश्वर मंदिर** में प्रवेश करने के प्रयास का आरोप लगाया गया था। मंदिर प्रबंधन के अनुसार,**केवल हिंदुओं को मंदिर में प्रवेश करने की अनुमति है, गैर-हिंदुओं को मंदिर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं** है। **त्र्यंबकेश्वर मंदिर महाराष्ट्र** के नासिक ज़िले के त्र्यंबक शहर में स्थित **भगवान शिव को समर्पित** एक प्राचीन और पवित्र हिंदू मंदिर है। यह **बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक** है, यह शिव का सबसे पवित्र तीर्थस्थल है, जहाँ उन्हें **त्र्यंबकेश्वर** के रूप में पूजा जाता है, जो तीनों लोकों के स्वामी हैं। मंदिर का निर्माण 18वीं शताब्दी में तीसरे **पेशवा बालाजी बाजीराव** ने ब्रह्मगिरि पर्वत के निकट एक पुराने मंदिर के स्थान पर किया था, जहाँ से [गोदावरी नदी] का उद्गम होता है। मंदिर वास्तुकला की [नागर शैली] में काले पत्थर से बना है।

//

और पढ़ें... मंदरि वास्तुकला

वशि्व उच्च रक्तचाप दविस

भारत के केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने **17 मई, 2023 को वशि्व उच्च रक्तचाप दविस (WHD)** के अवसर पर एक महत्त्वपूर्ण पहल, **"75/25" कार्यक्रम** का अनावरण कयिा है। इस महत्त्वाकांक्षी उपक्रम का उद्देश्य **वर्ष 2025 तक उच्च रक्तचाप और** मधुमेह **से पीड़ति 75 मलियिन व्यक्तयिों** की जाँच करना और उन्हें मानक देखभाल प्रदान करना है। WHD एक वार्षकि कार्यक्रम है जसिका उद्देश्य **उच्च रक्तचाप** के संदर्भ में जागरूकता एवं शक्षिा को बढ़ावा देना है, जो वशि्वकि स्तर पर लाखों लोगों को प्रभावति करता है तथा**हृदयाघात, स्ट्रोक, गुर्दे की क्षतवि यकृत की क्षत**जैसी गंभीर जटलिताओं को जन्म दे सकता है। वर्ष 2023 की थीम है "अपने रक्तचाप को सटीक रूप से मापें, इसे नयिंत्रति करें, लंबे समय तक जीवति रहें", जो **कम जागरूकता दर,** वशिष रूप से नम्नि से मध्यम आय वाले क्षेत्रों में और **सटीक रक्तचाप माप वधियिों** पर ध्यान केंद्रति करता है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मई 2005 में **वशि्व उच्च रक्तचाप लीग (WHL)** द्वारा कयिा गया था, जो एक गैर-सरकारी संगठन है तथा उच्च रक्तचाप को रोकने और नयिंत्रति करने के लयि **वशि्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)** एवं अन्य भागीदारों के साथ काम करता है। वशि्व उच्च रक्तचाप दविस लोगों को अपनी संख्या जानने, नयिमति रूप से अपने रक्तचाप की जाँच करने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने व जरूरत पड़ने पर चकित्सिकीय सलाह लेने के लयि प्रोत्साहति करता है।

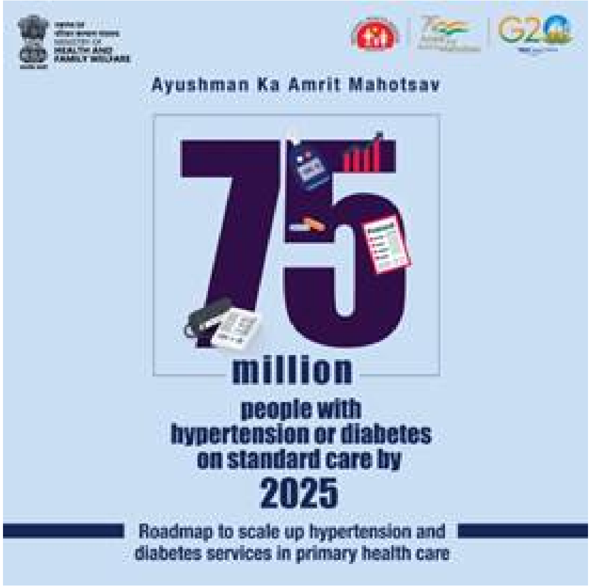

और पढ़ें... [उच्च रक्त चाप]

कीरू जलविद्युत परियोजना

[केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI)] ने **जम्मू-कश्मीर (J&K) में** [किरू जलविद्युत परियोजना] **में कथित भ्रष्टाचार** की जाँच के सिलसिले में दिल्ली तथा राजस्थान में कई स्थानों पर तलाशी ली गई। कीरू जलविद्युत परियोजना जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ ज़िले में स्थित **चिनाब नदी पर प्रस्तावित** है। **परियोजना की परिकल्पना रन ऑफ रिवर योजना के रूप में** की गई है। रन-ऑफ-रिवर जलविद्युत परियोजनाओं के तहत **नदियों के प्राकृतिक अधोमुखी प्रवाह और सूक्ष्म टर्बाइन जनरेटर का उपयोग** करके पानी द्वारा उत्पन्न की जाने वाली गतिज ऊर्जा का उपयोग किया जाता है। चिनाब नदी का उद्गम **हिमाचल प्रदेश राज्य के लाहौल और स्पीति ज़िलों में ऊपरी हिमालय से होता है।** इस नदी की उत्पत्ति हिमाचल प्रदेश के टांडी में **दो नदियों- चंद्रा और भागा के संगम से** होती है। यह **सिंधु नदी में मिलने से पूर्व जम्मू-कश्मीर के जम्मू क्षेत्र से होते हुए पंजाब, पाकिस्तान के मैदानी इलाकों में प्रवाहित** होती है। चिनाब नदी पर कुछ महत्त्वपूर्ण परियोजनाओं/बाँधों में [रतले जलविद्युत परियोजना], सलाल बाँध जलविद्युत परियोजना, दुल हस्ती जलविद्युत संयंत्र और पकल दुल बाँध (निर्माणाधीन) हैं।

और पढ़ें: [चिनाब नदी](#)

सहायक प्रौद्योगिकी पर परियोजना सहयोग समझौता

स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (Department of Health Research- DHR), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा[विश्व स्वास्थ्य संगठन](#) **(World Health Organization- WHO)** ने **उच्च गुणवत्ता वाली सस्ती सहायक प्रौद्योगिकी** तक पहुँच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अनुसंधान, नवाचार और क्षमता निर्माण को प्रोत्साहन देने के लिये **एक परियोजना सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किये।** इस सहयोग का **उद्देश्य सहायक प्रौद्योगिकी तक पहुँच**, अनुसंधान तथा नवाचार को प्रोत्साहन देना तथा उपयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों के विकास एवं प्रसार की ओर**वैश्विक ध्यान आकर्षित करने की दिशा में काम करना है।** सहायक प्रौद्योगिकी **एक व्यापक शब्द है जो सहायक उत्पादों और सेवाओं के वितरण से संबंधित प्रणालियों तथा सेवाओं को शामिल करती है।** सहायक उत्पाद **किसी व्यक्ति की कार्यप्रणाली और स्वतंत्रता को बनाए रखते हैं या उसमें सुधार करते हैं,** जिससे उनका विकास होता है। **उदाहरण के लिये** प्रोस्थेटिक्स, ब्रेसिज़, वॉकर, विशेष स्विच, विशेष-उद्देश्य वाले कंप्यूटर, स्क्रीन रीडर और विशेष पाठ्यचर्या सॉफ्टवेयर **जैसी प्रौद्योगिकियाँ और उपकरण।**

और पढ़ें... [सहायक प्रौद्योगिकी](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-18-may-2023